During the visit of the Sri Lankan Foreign Minister, who was the first foreign dignitary received by this Government, both sides agreed that steps would be taken to convene the Indo-SL Joint Commission later this year.

High Rate of Accidental Deaths in Delhi

33. SHRI O.P. KOHLI: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) the number of accidental deaths on the roads of Delhi, Bombay, Calcutta, Madras, Hyderabad, Kanpur and Bangalore during the last three years uptill Now;

(b) the reasons for high rate of accidental deaths in Delhi;

(c) the measures contemplated for lessening the burden on the roads in Delhi;

(d) the progress made with regard to introduction of alternative mode of transport in Delhi; and

(e) the number of persons killed by Redline/Blueline/DTC/other vehicles in Delhi in the last three years uptil now?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T. G. VENKATARAMAN): (a) to (e) The information is being collected and will be laid on the table of the House.

Proper Maintenance of National Waterways

34. SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the National Waterways are not being maintained properly; and

(b) if so, the steps proposed to be taken in this regard?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI G. VENKATRMAN): (a) The National Waterways are being maintained and improved by the Inland Waterways Authority of India (IWAI) in a phased manner depending on the availability of resources, physical capabilities and other limitations. Ongoing waterway maintenance activities include regular surveys, dredging, bandalling, channel marking and pilotage. In addition, terminal facilities are provided at some locations.

(b) The IWAI have formulated a detailed Action Plan for development of Inland Waterways in the country for implementation on short term (during 8th Five Year plan period) and long term (beyond 8th Five Year Plan) basis. Under the short term action plan, it is proposed to develop the National Waterways No. 1 and 2 for a navigable channel with 2.00 mtrs. depth. Both these waterways are targetted to remain open for IWT for at least 300 days a year. In Waterway No. 3, under short term action plan, the waterway is planned for a navigable depth of 2.00 meters. It is also planned to provide necessary infrastructural facilities like terminals, navigational aids, bank protection etc. Under the long term action plan, it is proposed to develop the existing wateways No. 1 and 2 for navigation of larger vessels by providing 3 meters depth and larger channel width and to provide mechanised terminals and night navigational facilities based on cargo offering. Similarly, in National Waterway No. 3, it is proposed to depend the channel further in the entire National Waterway with night navigational facilities and mechanised terminals.

भारतीय दूतावासों में हिंदी अधिकारी

35. **श्री अजीत जोगी:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत एक वर्ष के दौरान किन-किन भारतीय दूतावासों में हिन्दी अधिकारियों के पदों का सृजन किया गया है;

(ख) किन-किन दूतावासों में कितने-कितने पद पहले से ही विद्यमान हैं तथा उन भारतीय दूतावासों के नाम क्या है, जहां सरकारी काम हिन्दी में किया जाता है; और

(ग) इन हिन्दी अधिकारियों को सौंपे गए कार्यों का ब्यौरा क्या है?

विदेश मंत्री (श्री इन्द्र कुमार गुजराल): (क) पिछले वर्ष के दौरान हिन्दी अधिकारी के किसी पद का सृजन नहीं किया गया।

(ख) पोर्ट लुई तथा पोर्ट आफ स्पेन स्थित हमारे मिशनों में द्वितीय सचिव (हिन्दी एवं भाषा) के 2 पद हैं तथा लंदन, काठमांडू पारामारिबो एवं जार्जटाउन स्थित हमारे मिशनों में अताशे (हिन्दी एवं संस्कृति) के 4 पद हैं। भारतीय मिशनों/केन्द्रों के माध्यम से विदेशों में हमारी राष्ट्रीय भाषा के संवर्द्धन के सभी प्रयास भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार किए जाते हैं।

(ग) हिन्दी अधिकारियों को उनके अपने-अपने तैनाती के देशों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार तथा उससे सम्बद्ध अन्य पहलुओं का कार्य देखने की जिम्मेदारी सौंपी जाती हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण का पूरा किया जाना

36. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नवम्बर, 1995 तक राष्ट्रीय राजमार्गों में से एक लेन दो लेन और चार लेन कितने प्रतिशत मार्ग बनकर तैयार हो गए हैं;

(ख) क्या वर्ष 1995-96 के दौरान एक लेन वाले राजमार्गों को दो लेन वाले एवं दो लेन वाले मार्गों को चार लेन वाले मार्गों में परिवर्तित करने के संबंध में स्वीकृति दी गई थी तथा कितने राजमार्गों में इस तरह का कार्यजारी है; और

(ग) इन राजमार्गों का नाम सहित ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी० जी० वेंकटरमन): (क) इस समय 21% राष्ट्रीय राजमार्ग क० लेन के, 77% दो लेन के और 2% चार लेन के हैं।

(ख) और (ग) वर्ष 1995-96 के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 5, 10, 13, 30, 35, 39 और 4 पर लगभग 53 कि० मी० में दो लेन बनाने और 8 कि० मी० में चार लेन बनाने के लिए संस्वीकृति दी गई है।

Terrorist Network from England

37. SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that British citizens of Kashmiri origin are operating a network of terrorism from U.K.;

(b) whether Government have taken up the matter with the Government of U.K.; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I. K. GUJRAL): (a) Government are aware that individuals and groups of Kashmiri origin in the UK are engaged in encouraging anti-India activities and propaganda as well as militancy in J & K.

(b) and (c) Through the High Commission of India in London as well as the British High Commission in New Delhi, Government keep the concerned authorities of the British Government informed on a continuing basis about the activities of anti-India groups operating in the UK.

राजमार्गों में उप-मार्गों का निर्माण

38. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय राजमार्गों में भीड़-भाड़ रोकने एवं उन पर दबाव कम करने हेतु वर्ष 1995 तक उप-मार्गों के निर्माण हेतु स्वीकृत अनुमोदनों का ब्यौरा क्या है;

(ख) कितने उप-मार्गों का वास्तव में निर्माण-कार्य प्रारंभ किया गया है;

(ग) वास्तव में कितने उप-मार्गों के निर्माण की आवश्यकता महसूस की गई है; और

(घ) निर्माणाधीन, स्वीकृत एवं आवश्यक अनुभव किए गए उप-मार्गों का ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी० जी० वेंकटरामन): (क) से (घ) बाईपासों की योजना तथा निमार्ण एक सतत् प्रक्रिया है जो संसाधनों को उपलब्धता पर निर्भर करती है। तथापि, आठवीं योजना 1992—97 के दौरान 50 बाईपासों का पता लगाया गया है। निधियों के अभाव के कारण, अभी तक केवल 9 बाईपासों को स्वीकृति दी गई है।

12.00 NOON

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, I have received a number of calling